के लिये जड़ी-बूटियों के बारे में सरकारी प्रयोगशालाओं में कोई अनुसंधान किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उन जड़ी-बूटियों के नाम क्या हैं ;

(ग) क्या उन पौधों को उगाने के लिये उनके मंत्रालय ने कोई योजना तैयार की है, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीपति चन्द्रशेखर) : (क) जी हां। सरकारी प्रयोगशालाओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालयों, अस्पतालों तथा आयुर्वेदिक और दूसरे मेडिकल कालिजों में भी औषधीय पौधों की चिकित्सा लाभदायकता पर अनुसन्धान किया जा रहा है।

(ख) छानबीन के लिये चुने गये पौधों की एक सूची सभा पटल पर रखी जाती है। पुस्तकालय में रख दी गयी। [देखिये संख्या एल० टी०-848/67]

(ग) और (घ). जी नहीं फिर भी हरद्वार और रानीखेत स्थित वनौषधि सर्वेक्षण एकक तथा पूना के पास कोथरूड स्थित जवाहरलाल नेहरू आयुर्वेदीय वनौषधि उद्यान और संग्रहालय में औषधीय पौधों की प्रयोगात्मक खेती की जाती है।

एक अमरीकी नागरिक से चरस पकड़ा जाना

3962. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 23 अप्रैल, 1967 को नई दिल्ली में बिड़ला मन्दिर क्षेत्र में एक अमरीकी नागरिक के पास से 600 ग्राम चरस पकड़ी गई थी ;

(ख) यदि हां, तो यह चरस कहां से लाई गई थी ; और

(ग) इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

उप प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : पुलिस ने नई दिल्ली में 22 अप्रैल 1967 को बिड़ला मन्दिर के निकट बस स्टाप पर खड़े एक अमरीकी राष्ट्रिक के पास से 600 ग्राम चरस बरामद की।

(ख) पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने बताया कि वह पाकिस्तान से चरस लाया था।

(ग) उस व्यक्ति के विरुद्ध उत्पादन शुल्क अधिनियम के अन्तर्गत पुलिस स्टेशन, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली में मुकदमा दर्ज किया गया था और उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत में मुकदमा चलाने पर अभियोग ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और उसे अपराधी ठहराया गया तथा उसे दो महीने की सख्त कैद की और 50 रुपये जुर्माने का तथा जुर्माना अदा नहीं करने की हालत में अतिरिक्त 15 दिन की सख्त कैद की सजा हुई।

Foreign Exchange given to Sports Teams going Abroad

3963. Shri George Fernandes:
Shri Madhu Limaye:
Shri J. H. Patel:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange sanctioned to the various Indian Sports Teams during the past three years to enable them to participate in the international games and tournaments abroad; and

(b) the amount of foreign exchange earned by these teams during their visits abroad?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) Figures of exchange released during the last three years are as below:

1964	Rs. 1,61,716
1965	Rs. 26,208
1966	Rs. 1,54,635

(b) Most of the teams do not earn any foreign exchange since participation in international games and tournaments is on a non-commercial basis. However the Basketball Federation earned in 1965-66 a sum of Rs. 8,160 and the All India Lawn Tennis Association earned a sum of Rs. 3,25 lakhs during 1966-67.

बम्बई में पकड़ी गई चांदी

3964. श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फरवरी, 1967 के तीसरे सप्ताह में केन्द्रीय आयकर अधिकारियों ने 2 लाख रुपये के मूल्य की 500 किलोग्राम चांदी पकड़ी थी ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जी, नहीं ।

(ख) यह सवाल पैदा ही नहीं होता ।

जनपथ होटल (दिल्ली) में सुरक्षा कर्मचारी

3965. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनपथ होटल, लोधी होटल और रणजीत होटल में काम करने वाले लगभग 1000 सुरक्षा कर्मचारियों को अन्य होटलों में वही काम करने वाले सुरक्षा कर्मचारियों से कम वेतन मिलता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन्होंने अनेक बार यह मांग की है कि उन्हें अन्य सुरक्षा कर्मचारियों के समान ही वर्दी, मकान की सुविधा तथा वेतन दिया जाये ;

(ग) यदि हां, तो उनकी मांगों पर कोई ध्यान न दिये जाने के क्या कारण है ; और

(घ) अशोक होटल लिमिटेड के कर्मचारियों तथा उपरोक्त होटलों के कर्मचारियों के वेतनक्रमों में अन्तर होने के क्या कारण है ?

निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री इकबाल सिंह) : (क) प्रश्नाधीन तीनों होटलों में सुरक्षा कर्मचारियों में 55 चौकीदार हैं, न कि 1000 सुरक्षा कर्मचारी जैसा कि प्रश्न में बताया गया है। इन चौकीदारों का वेतनमान अशोक होटल के चौकीदारों से कम है। तथापि, वर्दी तथा रिहायशी वास के मामलों में वे अशोक होटल के चौकीदारों के समान ही हैं।

(ख) और (ग). अधिक वेतन आदि के लिए चौकीदारों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

(घ) वेतन की संरचना प्रत्येक होटल की भिन्न होती है, तथा वह कर्मचारियों की श्रेणी पर निर्भर होती है, अतएव अशोक होटल जैसे 5-स्टार डी-लक्स होटल में मैसर्स जनपथ होटल लिमिटेड द्वारा चलाये जाने वाले उससे कहीं नीचे की श्रेणी के इन तीन होटलों से वेतन अधिक दिया जाता है।